लोक सभा दिवस के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

लोक सभा परिवार को सचिवालय की स्थापना की 95वीं वर्षगांठ की बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं। आज आप सभी के बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। लोक सभा सचिवालय सिर्फ एक संस्था नहीं है, यह एक समान लक्ष्य की दिशा में काम करने वाले समर्पित व्यक्तियों का परिवार है। मैं आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमारे लोक सभा सचिवालय परिवार के लोगों के उमंग और उत्साह को देखकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।

इस संस्थान को समर्पण और प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनाने की दिशा में आपकी निष्ठा और कड़ी मेहनत अत्यंत सराहनीय हैं।

आपने लोक सभा सचिवालय को दक्षता और योग्यता के साथ अपनी सेवाएं दी हैं और मुझे विश्वास है कि आप सभी इसी प्रकार भविष्य में भी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देते रहेंगे।

संसद जनता के प्रतिनिधियों की सबसे बड़ी सभा है। जनप्रतिनिधियों के रूप में सांसद नागरिकों की समस्याओं को दूर करने, जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने और उनकी सामाजिक आर्थिक समस्याओं को दूर करने के लिए अथक प्रयास करते हैं और आपकी भूमिका है कि आप उनको अपना काम करने में पूरा समर्थन दें, पूर्ण सहयोग दें।

बदलते परिप्रेक्ष्य में सदनों के कार्य पद्धतियों में व्यापक बदलाव आए हैं। टेक्नॉलजी ने हमारी कार्य शैली को पूरी तरह से बदल दिया है। और इसलिए जरूरी है कि हम समय के साथ चलते हुए नवीनतम तकनीकों के लिए स्वयं को तैयार रखें। इसके लिए नियमित प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और स्वयं के अंदर सीखने की इच्छा रखने अत्यंत आवश्यक है।

आज हमारे सामने नई चुनौतियाँ हैं तो नए अवसर भी हैं। पिछले वर्षों में मैंने देखा है कि किस प्रकार आपने महामारी के दौरान भी समर्पित होकर काम किया।

पी-20 सम्मेलन की सफलता में आपके परिश्रम का भी बड़ा योगदान रहा। आपके सहयोग से हमने संविधान सदन से नए संसद भवन में स्थानांतरण का काम भी सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

साथियो, अपने कार्यकाल के दौरान आपके साथ मिलकर हमने लोक सभा सचिवालय में कार्यकुशलता और मितव्ययिता को बढ़ावा देने के लिए कई परिवर्तन किए, बहुत सी नई पहलें भी हुई हैं। हमने अपने कामकाज में प्रौद्योगिकी का उपयोग निरंतर बढ़ाया है।

ई-ऑफिस, मेम्बर पोर्टल, डिजिटल संसद, संसद की डिजिटल लाइब्रेरी, दस्तावेजों के डिजिटलीकरण, संसदीय कार्यक्रमों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग किया जाना, सोशल मीडिया में बढ़ती उपस्थिति और चिंतन शिविर जैसे कई नए प्रयास किए गए।

इन कार्यों में मुझे आपका निरंतर सहयोग मिला। ये प्रयास आगे भी जारी रहेंगे और मुझे पूरी आशा है कि मुझे भविष्य में भी आपका सहयोग मिलता रहेगा।

मैं आशा करता हूँ कि आपके समर्पण और प्रतिबद्धता से लोक सभा की प्रगति और उन्नति होती रहेगी। सचिवालय की कार्य संस्कृति इसकी सफलता का आधार रही है।

मैं लोक सभा सचिवालय द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देता हूं।

मेरी शुभकामनाएं पूरे लोक सभा सचिवालय परिवार के साथ हैं और आशा है कि मुझे इसी प्रकार आपसे निरंतर समर्थन और सहयोग मिलता रहेगा।

धन्यवाद।

———